Regarding functioning of Chanpatiya Sugar Mill in Paschim Champaran Parliamentary Constituency,Bihar

डॉ. संजय जायसवाल **(**पश्चिम चम्पारण**) :** सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान चंपारण शुगर कंपनी लिमिटेड की चनपटिया चीनी मिल की तरफ दिलाना चाहता हूं । यह देश के राष्ट्रीय वस्त्र निगम लिमिटेड की एक सहायक यूनिट चंपारण शुगर कंपनी लिमिटेड का हिस्सा थी । यूपीए सरकार के घोटालों की वजह से पूरी चनपटिया चीनी मिल की 174 एकड़ जमीन को महज दो करोड़ रुपये में एक कबाड़ी वाले को दे दी गई थी । वर्ष 2009 में उसने कोशिश की थी कि वह शुगर फैक्ट्री को डिस्मेंटल करे, लेकिन हम लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया था । उसमें एक क्लॉज था, चनपटिया शुगर मिल को चलाने की उसकी जिम्मेवारी थी, लेकिन उसने कभी उस मिल को चलाने का प्रयास नहीं किया है ।

मैं उस समय की माननीय केन्द्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने उसको बुलाया और पुनः उसको चलाने का एक प्रयास किया था । वर्ष 2021 में उसने लिखित रूप से नोटिस दिया था कि मैं इस चीनी मिल को दोबारा चलाऊंगा । उसके तहत वर्ष 2021 में चीनी मिल पुनः हैंडओवर की गई थी । उसके बाद भी उसने कभी भी चीनी मिल नहीं चलाई है । जैसे उसने चकिया की चीनी मिल बेच दी थी, वैसे ही चनपटिया की चीनी मिल बेच दी, लेकिन हम लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया था ।

आज राष्ट्रीय वस्त्र निगम लिमिटेड के तहत यह चीनी मिल आती है । श्री गिरिराज सिंह जी,

जो वस्त्र मंत्री हैं और वे बिहार के ही हैं । मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि यह चनपटिया चीनी मिल मेरे संसदीय क्षेत्र की जनआकांक्षाओं का प्रतीक है । उसको किसी ऐसे व्यक्ति या कंपनी को दें, मेरे यहां एचपीसीएल की भी सब्सिडियरी यूनिट है, एचपीसीएल बॉयोफ्यूल्स की दो चीनी मिलें हैं । चनपटिया चीनी मिल उसको देकर पुनः चलाई जाए, ताकि उस इलाके के सभी किसानों को खुशी मिल सके ।